हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार 5 जनवरी 2026

तापमान

अधिकतम 19 .5 डिग्री
न्यूनतम 3 .0 डिग्री

11 भारत विश्व का मार्गदर्शन कर सके इसके लिए देश ...

12 उद्घाटन के आठ साल बाद भी नहीं शुरू हो पाया ...

शहर में आज

- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर का आयोजन।
- रोडवेज डिपो में कर्मचारियों की मीटिंग।
- गुरु रविदास विश्व महापीठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरजीत कुमार आर्य नगर रविदास हॉस्टल दोपहर एक बजे प्रेसवार्ता को संबोधित करेंगे।

खबर संक्षेप

स्कूल सौंदर्यीकरण में इमलीगढ़, गोरावड़ व मोखरा के स्कूल प्रथम

महम। मुख्यमंत्री सौंदर्यकरण प्रतियोगिता को लेकर ब्लॉक स्तर का परिणाम घोषित किया गया है। महम की ब्लॉक स्तरीय टीम के चेयरमैन एसडीएम विपिन कुमार के नेतृत्व में खंड शिक्षा अधिकारी सरिता खनगवाल, प्राचार्य राजेश नांदल, प्राचार्या संध्या सुमन, प्राचार्या सुनील कुमारी व अन्य के साथ उन सभी स्कूलों का निरीक्षण किया गया था जिन्होंने मुख्यमंत्री सौंदर्य प्रतियोगिता के लिए आवेदन किया था। उन सभी स्कूलों का निरीक्षण किया गया। विजेता स्कूलों में प्राइमरी विभाग से राजकीय प्राइमरी विद्यालय इमलीगढ़, राजकीय माध्यमिक विद्यालय इमलीगढ़, उच्च विभाग से राजकीय कन्या उच्च विद्यालय गोरावड़ तथा वमावि से राजकीय कन्या वमावि मोखरा को प्रथम स्थान मिला है।

गुरुपुरब पर कल होगा महान कीर्तन समागम

रोहतक। समुह साध संगत गुरुद्वारा गुरु नानक दरबार बैंसी की ओर से सरबंस दानी साहिब श्री गुरु गोबिंद सिंह महाराज के 359वें प्रकाश गुरुपुरब के उपलक्ष्य में 6 जनवरी को महान कीर्तन समागम का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी गुरुघर के सेवादार सरदार राजेंद्र सिंह हंस ने दी। उन्होंने बताया कि भोग श्री अखंड पाठ साहिब का आरंभ 4 जनवरी से हो चुका है, जिनकी समाप्ति 6 जनवरी मंगलवार को सुबह 9 बजे होगी। कीर्तन दरबार सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक होगा।

युवक से 273 ग्राम अफीम बरामद

रोहतक। जिला पुलिस की टीम ने गश्त के दौरान युवक को नशीले पदार्थ सहित गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। आरोपी से 273 ग्राम अफ़ीम बरामद हुआ है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग अंकित कर कार्रवाई की गई है। आरोपी को पेश अदालत किया गया है। अनिल के नेतृत्व मे पुलिस टीम रोहतक जींद रोड पर लाखनमाजरा बाईपास के पास गश्त मे मौजूद थी। युवक की पहचान रविन्द्र उर्फ जोबन पुत्र जयवीर निवासी करसोला जिला जींद के रुप में हुई।

रोहतक। आयोजित शिविर में मरीज की जांच करते डॉक्टर।

आयुर्वेदिक हेल्थ चेकअप कैंप, 73 का स्वास्थ्य जांचा

रोहतक। वैद्य केसरदास सेवा समिति की ओर से सावन बैंक्वेट हॉल के सामने स्थित वैद्य केसरदास लैब में आयुर्वेदिक हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। समिति के संचालक राजेश सिंधवानी ने बताया कि कैंप में 73 लोगों की जांच और उपचार अनुभवी आयुर्वेदिक चिकित्सकों द्वारा किया गया। वहीं लैब टेक्नीशियन नेहा दुआ ने विभिन्न जरूरी जांचें रियायती दरों पर कीं। कैंप में आए मरीजों को समिति की ओर से आयुर्वेदिक दवाइयां निःशुल्क वितरित की गईं।

यात्रियों को भविष्य में मिलेगी तेज और सुरक्षित रेल सेवा

ऑटोमैटिक सिग्नलिंग सिस्टम के कमीशनिंग कार्य को मिली मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

भिवानी रोहतक रेल सेक्शन पर रेल यातायात को भविष्य के अनुरूप आधुनिक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे ने डोभ भाली लाहली कलानौर कलां स्टेशनों के बीच पैच डबलिंग और ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग सिस्टम के कमीशनिंग कार्य को मंजूरी दे दी है। यह कार्य 27 जनवरी 2026 से 26 फरवरी 2026 तक विभिन्न चरणों में किया जाएगा। हालांकि इस अवधि में यात्रियों को कुछ अस्थायी असुविधाओं का सामना करना पड़ेगा, लेकिन इसके बाद रेल संचालन में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा।

27 जनवरी से 26 फरवरी तक डोभ-भाली-लाहली-कलानौर कलां रेल खंड पर होगा तकनीकी कार्य, कई ट्रेनें रहेंगी रद्द

अमृतसर फिरोजपुर दिल्ली बठिंडा, बीकानेर हरिद्वार जैसी कई ट्रेनों को अस्थायी रूप से रोहतक जींद जाखल या महम मार्ग से संचालित किया जाएगा

ट्रैक, सिग्नलिंग और सुरक्षा से जुड़े तकनीकी कार्य किए जाएंगे

यह परियोजना प्री-एनआई, एनआई और पोस्ट-एनआई चरणों में पूरी की जाएगी। सबसे महत्वपूर्ण एनआई चरण 14 से 16 फरवरी 2026 तक रहेगा, जब ट्रैक, सिग्नलिंग और सुरक्षा से जुड़े तकनीकी कार्य किए जाएंगे। इस दौरान ट्रेन परिचालन सीमित रहेगा ताकि कार्य को सुरक्षित और सुचारू रूप से पूरा किया जा सके। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि इस पूरे कार्य के दौरान वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद रहेंगे और सुरक्षा मानकों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। तकनीकी कार्यों के चलते क्षेत्रीय रेल सेवाओं पर असर पड़ेगा। भिवानी रोहतक और रोहतक भिवानी सेक्शन की कई पैसेंजर ट्रेनें 27 जनवरी से 16 फरवरी तक रद्द रहेंगी। इसके अलावा रोहतक हांसी रोहतक मार्ग की कुछ ट्रेनें 14 से 16 फरवरी के बीच नहीं चलेंगी। हिसार नई दिल्ली और नई दिल्ली हिसार पैसेंजर ट्रेनें भी 14 फरवरी को रद्द की गई हैं। दिल्ली बीएनडब्ल्यू पैसेंजर ट्रेन को आंशिक रूप से रद्द किया गया है।

इन ट्रेनों को अलग रूट से भेजा जाएगा

लंबी दूरी की ट्रेनों के यात्रियों को भी बदले हुए मार्गों से यात्रा करनी होगी। अमृतसर फिरोजपुर, दिल्ली बठिंडा, बीकानेर हरिद्वार जैसी कई ट्रेनों को अस्थायी रूप से रोहतक जींद जाखल या महम मार्ग से संचालित किया जाएगा। इस कारण कुछ स्टेशनों पर अस्थायी ठहराव दिया गया है, जबकि कलानौर और लाहली स्टेशनों पर कुछ ट्रेनों का ठहराव फिलहाल वापस लिया गया है।

यात्री ट्रेन की स्थिति जांचने के बाद ही यात्रा करें

रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि यात्रा से पहले एनटीईएस और आईसीएमएस के माध्यम से अपनी ट्रेन की स्थिति अवश्य जांच लें। साथ ही रेलवे ने स्टेशन स्तर पर सूचना प्रसार के भी निर्देश जारी किए हैं, ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। रेलवे प्रशासन का कहना है कि यह कार्य पूरा होने के बाद इस खंड पर ट्रेनों की गति बढ़ेगी, लाइन क्षमता में सुधार होगा और सिग्नलिंग प्रणाली अधिक सुरक्षित व आधुनिक बनेगी। इससे भविष्य में ट्रेनें समय पर चलेंगी और यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित तथा सुविधाजनक रेल सेवा मिल सकेगी।

यातायात दबाव को कम करने और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की पहल

18 करोड़ रुपये में सेक्टर-14 से हिसार बाईपास तक होगा सड़क का निर्माण

सभी औपचारिकताएं पूरी फरवरी से निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

शहर के यातायात दबाव को कम करने और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ी पहल होने जा रही है। सेक्टर-14 से हिसार बाईपास चौक तक फैले अत्यंत व्यस्त मार्ग का कायाकल्प जल्द शुरू होगा। लगभग 18 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना के लिए सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं और फरवरी माह से निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना है। लंबे समय से बदहाल हालत में पड़ी इस सड़क के सुधरने से शहरवासियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। यह मार्ग केवल एक सड़क नहीं, बल्कि रोहतक की जीवनरेखा जैसा है। पीजीआईएमएस, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू), आसपास की रिहायशी कॉलोनियां, औद्योगिक क्षेत्र और हिसार बाईपास को जोड़ने वाला यह रास्ता हर दिन हजारों वाहनों का बोझ उठाता है। छात्रों, कर्मचारियों, व्यापारियों और आम नागरिकों की आवाजाही इसी मार्ग पर निर्भर है। लेकिन समय के साथ सड़क की हालत इतनी खराब हो चुकी थी कि सफर करना जोखिम भरा हो गया था।

जर्जर मार्ग से मिलेगी मुक्ति

- यह सड़क शहर की जीवनरेखा
- हजारों छात्रों कर्मचारियों व्यापारियों और आम नागरिकों की आवाजाही इसी मार्ग पर निर्भर

आने-जाने वाले हजारों लोगों को राहत मिलेगी

सेक्टर-14 से हिसार बाईपास चौक तक फैले अत्यंत व्यस्त मार्ग का कायाकल्प जल्द शुरू होगा। लगभग 18 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना के लिए सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं और फरवरी माह से निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना है। निर्माण कार्य के दौरान आमजन को कम से कम असुविधा हो, इसके लिए प्रशासन ने वैकल्पिक यातायात व्यवस्था की योजना बनाई है। इस सड़क के सुधरने से रोजाना आने-जाने वाले हजारों लोगों को राहत मिलेगी। **-अरुण कुमार, कार्यकारी अभियंता, लोक निर्माण विभाग**

बरसात के दिनों में हालात बदतर हो जाते

पिछले काफी समय से सड़क पर बने गड्ढे, उखड़ी परत और असमान सतह वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब बने हुए थे। आए दिन जाम लगना, दोपहिया वाहन चालकों का फिसलना और छोटे-मोटे हादसे होना आम बात हो गई थी। बरसात के दिनों में हालात और भी बदतर हो जाते थे, जब पानी भरने से गड्ढों का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता था। स्थानीय लोगों और एमडीयू के छात्रों ने कई बार प्रशासन से इस मार्ग की मरम्मत की मांग उठाई थी।

पुरानी सड़क को हटाकर मजबूत बेस तैयार किया जाएगा

अधिकारियों के अनुसार, प्रस्तावित कार्य केवल सतही मरम्मत तक सीमित नहीं रहेगा। पूरी पुरानी सड़क को हटाकर मजबूत बेस तैयार किया जाएगा, जिस पर उच्च गुणवत्ता वाली नई परत डाली जाएगी। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सड़क लंबे समय तक टिकाऊ रहे और बार-बार मरम्मत की जरूरत न पड़े। साथ ही जलभराव की पुरानी समस्या से निजात दिलाने के लिए बेहतर ड्रेनेज सिस्टम भी विकसित किया जाएगा।

गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं

निर्माण कार्य के दौरान आमजन को कम से कम असुविधा हो, इसके लिए प्रशासन ने वैकल्पिक यातायात व्यवस्था की योजना बनाई है। काम को चरणों में पूरा किया जाएगा ताकि सड़क पूरी तरह बंद न करनी पड़े। संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि समय सीमा और गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न हो।

शहर के विकास को मिलेगा नया आयाम

इस सड़क के सुधरने से न केवल रोजाना आने-जाने वाले हजारों लोगों को राहत मिलेगी, बल्कि रोहतक के आर्थिक और शैक्षणिक विकास को भी बल मिलेगा। बेहतर सड़क से औद्योगिक क्षेत्र तक पहुंच आसान होगी, वहीं एमडीयू आने वाले छात्रों और शिक्षकों का सफर भी सुरक्षित बनेगा। 18 करोड़ रुपये की यह परियोजना रोहतक के बुनियादी ढांचे को सशक्त बनाने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है। लोगों को उम्मीद है कि अब वर्षों से चली आ रही परेशानी खत्म होगी और शहर को एक आधुनिक, सुरक्षित और सुगम सड़क मिलेगी।

आरोपित गिरफ्तार, बोला-लूटपाट वजह नहीं

निजी कारणों के चलते हुई होटल संचालक की हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

पुलिस ने हसनगढ़ निवासी होटल संचालक की चाकू से हत्या के मामले को सुलझा लिया है। पुलिस ने वारदात में शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जिसे अदालत में पेश कर 6 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। हालांकि शुरूआती जांच में पता चला है कि होटल मालिक की हत्या लूटपाट की वजह से नहीं हुई। निजी कारणों के चलते की गई थी। पूरा खुलासा रिमांड के दौरान होगा। हसनगढ़ निवासी देवेंद्र की शिकायत पर थाना सांपला में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। देवेंद्र के पिता गुलाब जो पिछले 5 वर्षों से झज्जर सोनीपत रोड पर हसनगढ़ के पास एक होटल संचालित कर रहे थे, 29 दिसम्बर 2025 की रात गुलाब होटल पर नहीं पहुंचे तब हत्या का पता चला।

रोहतक। आरोपित पुलिस की गिरफ्त में।

अन्य अरोपियों की जल्द होगी गिरफ्तारी

जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी मालिक उर्फ मगन निवासी चांदनपुरा, उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया। स्पेशल डिटेक्टिव स्टाफ के प्रभारी उप-निरीक्षक अश्वनी कुमार ने बताया कि वारदात में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है और उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। **-कृष्ण, सब-इंस्पेक्टर जांच अधिकारी**

ऑटोमेटिक रोटी मशीन का किया उद्घाटन

रोहतक। ऑटोमेटिक रोटी बनाने की मशीन का उद्घाटन करते समाज सेवी। बंसल मनमोहन गोयल, प्रवीण जैन, सतीश

रोहतक। समाजसेवी संस्था सेवा और समर्पण एसोसिएशन की ओर से ऑटोमेटिक रोटी बनाने की मशीन का उद्घाटन रविवार को किया गया। मशीन का शुभारंभ महामंडलेश्वर बाबा कर्णपुरी व महामंडलेश्वर बाबा देवेंद्र गिरी के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस मशीन के माध्यम से प्रतिदिन दोपहर एक से तीन बजे तक जरूरतमंद और भूखे लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। इस अवसर पर प्रसिद्ध समाजसेवी राजेंद्र जैन तथा विनोद आहुजा (डायरेक्टर, पंचरत्ना फास्टनर) विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में इनर व्हील क्लब, लायंस क्लब, बिजनेस लिकर क्लब, अग्रवाल गौ ग्रास सेवा समिति, रोटरी क्लब (सफायर), भगत सिंह शाखा, सहेली क्लब व विजय नगर परिवार सहित अनेक सामाजिक संगठनों के सदस्यों ने भाग लिया।

एमडीयू के अजय कुमार का सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू में चयन, कुलपति ने दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ होटल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट (आईएचटीएम) के छात्र अजय कुमार का चयन सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू के डिपार्टमेंट ऑफ टूरिज्म एंड ट्रैवल मैनेजमेंट में हुआ है। अजय कुमार आईएचटीएम के एक मेधावी, अनुशासित एवं प्रतिबद्ध विद्यार्थी रहे हैं। उन्होंने यूजीसी की जेआरएफ परीक्षा भी उत्तीर्ण की है तथा वर्तमान में होटल एवं टूरिज्म मैनेजमेंट में पीएचडी भी कर रहे हैं। अपनी उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अजय कुमार ने कहा कि यह चयन उनकी मेहनत के साथ-साथ विश्वविद्यालय में उपलब्ध अनुकूल शैक्षणिक वातावरण का परिणाम है। उन्होंने कुलपति प्रो. राजबीर सिंह का आभार जताते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध एवं समग्र विकास के लिए निरंतर प्रोत्साहन मिलता है। अजय कुमार ने अपने चयन का श्रेय आईएचटीएम के निदेशक एवं अपने पीएचडी पर्यवेक्षक प्रो. आशीष दहिया को देते हुए बताया कि उनके मार्गदर्शन ने उन्हें लक्ष्य-केन्द्रित तैयारी और अकादमिक उत्कृष्टता की दिशा में मजबूती दी। उन्होंने संस्थान के शिक्षकों प्रो. संदीप मलिक, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. अनूप, डॉ. शिल्पी, डॉ. सुमेघ सहित अन्य शिक्षकों का भी आभार व्यक्त किया। आईएचटीएम के निदेशक एवं शिक्षकों ने अजय कुमार को बधाई दी।

रोहतक। शिक्षक अजय कुमार को बधाई देते कुलपति प्रो. राजबीर सिंह।

इंडो-नेपाल चैंपियनशिप में अंजली शर्मा को स्वर्ण पदक, रोहतक पहुंचने पर पलकों पर बैठाया

नेपाल में रोहतक की बेटी ने 800 मीटर दौड़ में देश और प्रदेश का नाम रोशन किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

नेपाल में आयोजित इंडो-नेपाल इंटरनेशनल चैंपियनशिप में रोहतक की बेटी अंजली शर्मा ने 800 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतकर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि पर भाजपा जिला अध्यक्ष एडवोकेट रणवीर सिंह ढाका ने कृपाल नगर स्थित अंजली के निवास पर पहुंचकर उनका अभिनंदन किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए सरकार तत्पर

एडवोकेट रणवीर सिंह ढाका ने कहा कि केंद्र सरकार और हरियाणा सरकार खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। प्रत्येक प्रतिभावान खिलाड़ी के साथ सरकार मजबूती से खड़ी है और खेल के क्षेत्र में किसी भी प्रकार की सुविधा की कमी नहीं आने दी जाएगी। सरकार की खेल नीति के चलते आज प्रदेश के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। अंजली शर्मा के पिता सुधीर शर्मा ने बेटी की सफलता पर खुशी व्यक्त की।

कार्यक्रम तीन दिवसीय दिल्ली शब्दोत्सव 2026 का भव्य समापन

डीएलसी सुपवा के छात्रों की रचनात्मक प्रस्तुतियां रहीं आकर्षण का केंद्र

- विभिन्न सत्रों में डीएलसी सुपवा के छात्रों द्वारा निर्मित 20 लघु फिल्मों की विशेष स्क्रीनिंग आयोजित की गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

तीन दिवसीय दिल्ली शब्दोत्सव 2026 का रविवार को भव्य समापन हुआ। साहित्य, संगीत, रंगमंच, सिनेमा और ललित कलाओं के संगम के रूप में आयोजित इस महोत्सव में दादा लखमी चंद राज्य प्रदर्शन एवं दृश्य कला विश्वविद्यालय (डीएलसी सुपवा) के छात्रों की रचनात्मक सहभागिता विशेष आकर्षण का केंद्र रही। छात्रों की बहुआयामी प्रस्तुतियों ने महोत्सव को यादगार बना दिया। महोत्सव के तीसरे दिन डीएलसी सुपवा की टीम द्वारा हरियाणा की समृद्ध लोक सांस्कृतिक परंपरा 'सांग' की प्रभावशाली प्रस्तुति दी गई, जिसने दर्शकों को लोक रंगमंच की जीवंतता से रूबरू कराया। इसके साथ ही विभिन्न सत्रों में डीएलसी सुपवा के छात्रों द्वारा निर्मित 20 लघु फिल्मों की विशेष स्क्रीनिंग आयोजित की गई, जिसे दर्शकों और सिनेप्रेमियों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। महोत्सव के अंतर्गत आयोजित पैनल चर्चा दक्षिणपथ में राज्यसभा सांसद एवं भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी तथा तेलुगु सिनेमा की प्रसिद्ध अभिनेत्री माधवी लता ने सहभागिता की।

रोहतक। फाइन आर्ट्स विभाग द्वारा लाइव पेंटिंग और क्ले मॉडलिंग करते सुपवा के विद्यार्थी।।

फाइन आर्ट्स विभाग की लाइव पेंटिंग ने मोहा

महोत्सव के दौरान सुपवा के छात्र स्वयंसेवकों ने हेल्प डेस्क संचालन सहित प्रशासनिक व्यवस्थाओं में भी अहम भूमिका निभाई। फाइन आर्ट्स विभाग द्वारा लाइव पेंटिंग और क्ले मॉडलिंग का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने उड़ान एनजीओ व विभिन्न शिक्षण संस्थानों से आए बच्चों को कला की तकनीकें सिखाईं।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने पेंटिंग को सराहा

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी महोत्सव में सहभागिता करते हुए छात्रों के साथ पेंटिंग की और उनकी रचनात्मकता की सराहना की। शब्दोत्सव 2026 के संयोजक हर्षवर्धन त्रिपाठी और राजीव तुली ने सुपवा के छात्रों के योगदान की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी रचनात्मक ऊर्जा और पेशेवर दृष्टिकोण ने महोत्सव को नई ऊंचाइयां दीं।

युगल नृत्य व अन्य कार्यक्रमों ने दर्शकों को बांधे रखा

इस अवसर पर डीएलसी सुपवा के कुलपति डॉ. अमित आर्य ने दोनों अतिथियों को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। डीएलसी सुपवा के छात्रों द्वारा प्रस्तुत नृत्य-नाटिका "दादा दहिया का बलिदान" ने दर्शकों को इतिहास, शौर्य और बलिदान की भावना से जोड़ा। सुपवा बैंड की संगीतमय प्रस्तुति, एकल व युगल नृत्य तथा अन्य कलात्मक कार्यक्रमों ने तीनों दिन तक दर्शकों को बांधे रखा।

साहित्य

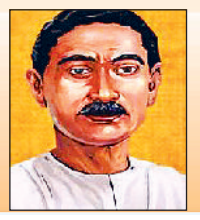

जो शिक्षा प्रणाली लड़के- लड़कियों को सामाजिक बुराई या अन्याय के खिलाफ लड़ना नहीं सिखाती तो उस शिक्षा में जरूर कोई न कोई बुनियादी खराबी है।
- मुंशी प्रेमचंद

पहला घूँट भरते ही अद्विक बोला, 'भाइयों, एक पल के लिए कल्पना करो। अगर आज हम शादीशुदा होते, तो क्या यहाँ इस तरह बैठे होते? मुमकिन है कि अयांश घर पर बच्चों का डायपर बदल रहा होता, अमन पत्नी की शॉपिंग लिस्ट के साथ मॉल में धक्के खा रहा होता और मैं स्कूल की फीस जमा करने की लाइन में लगा होता। यह आजादी जो हमें मिली है, वह अनमोल है।' चारों ने एक साथ 'चीयर्स' कहा और माहौल और भी गहरा हो गया।

रात के 12 बजने वाले थे। खिड़की के बाहर गोवा के आसमान में आतिशबाजी शुरू हो चुकी थी। चारों दोस्तों ने एक बार फिर अपने गिलास उठाए। उनकी आँखों में भविष्य के प्रति कोई डर नहीं था, बल्कि अपनी चुनी हुई राह पर चलने का एक गर्व था। उन्होंने जोर से नारा लगाया- 'कुंवारे नेता जिंदाबाद! आजादी जिंदाबाद!' होटल के उस कमरे में चार अलग-अलग कहानियाँ थीं, लेकिन सबका सार एक ही था, अपनी शर्तों पर जीवन जीना।

कहानी

डॉ. मधुकांत

कुंवारे नेता जिंदाबाद

दिसंबर की सर्द हवाएं जब देश के उत्तरी हिस्सों में ठिठुरन पैदा कर रही थीं, तब गोवा की सुनहरी रेत और लहरों का शोर चार दोस्तों के स्वागत के लिए तैयार था। अद्विक, अमन, विधान और अयांश—ये चार नाम नहीं, बल्कि एक अटूट दोस्ती की मिसाल थे। हर साल की तरह इस बार भी नए साल का जश्न मनाने के लिए उन्होंने गोवा के एक आलीशान पांच सितारा होटल को अपना ठिकाना बनाया। यह होटल उनकी सफलता और उनकी मेहनत की कमाई का गवाह था। होटल में दो 'कनेक्टिंग रूम' बुक किए गए थे। इन कमरों की खासियत यह थी कि इनके बीच का दरवाजा खोलते ही ये एक विशाल सुइट में तब्दील हो जाते थे। चारों दोस्तों ने कमरे में घुसते ही सबसे पहला काम उस दरवाजे को खोलने का किया। यह दरवाजा केवल लकड़ी का नहीं था, बल्कि उनके बीच के खुलेपन और पारदर्शिता का प्रतीक था।

30 से 32 वर्ष की उम्र के ये चारों युवा न केवल शारीरिक रूप से फिट थे, बल्कि अपने करियर में भी ऊंचाइयों को छू रहे थे। उनकी एक और समानता यह थी कि वे सभी अभी तक 'सिंगल' थे और अपनी इस आजादी का भरपूर आनंद ले रहे थे। अद्विक, अमन और विधान कमरे में पहुँच चुके थे और सामान व्यवस्थित कर रहे थे। अद्विक ने घड़ी की ओर देखते हुए कहा, 'अरे भाई, हम तीनों तो समय पर आ गए, लेकिन अयांश का अभी तक कोई अता-पता नहीं है। दिल्ली में बैठकर बड़ी-बड़ी हांक रहा था कि इस बार सबसे पहले पहुँचकर तुम लोगों का स्वागत करूँगा।'

अमन ने खिड़की से समुद्र की लहरों को निहारते हुए मुस्कुराकर कहा, 'अरे अद्विक, तू अयांश को नहीं जानता? वह वादाखिलाफी नहीं करता। वह असल में हम सबसे पहले पहुँचा है। रिसेप्शन पर पता चला कि वह सीधे बीच पर लहरों से टकराने चला गया है। शाम ढल रही है, अब उसके आने का ही वक्त है।'

अभी बात चल ही रही थी कि कमरे का दरवाजा धड़धड़ाते हुए खुला। कंधे पर गिटार टांगे और चेहरे पर सूरज की तपिश लिए अयांश ने प्रवेश किया।

'मैं आ गया दोस्तों! सुना है कोई मुझे याद कर रहा था?' अयांश की आवाज में वही पुरानी खनक थी। चारों दोस्त एक-दूसरे के गले मिले। खुशी का आलम यह था कि अयांश ने वहीं थिरकना शुरू कर दिया। उसकी यह पुरानी आदत थी- जब भी वह भावुक या खुश होता, उसके पैर अपने आप थिरकने लगते। देखते ही देखते बाकी तीनों भी उसके साथ नाचने लगे। होटल का वह कमरा उनकी हंसी और ठहाकों से गूंज उठा। कुछ देर की मस्ती के बाद अयांश ने अद्विक के कंधे पर हाथ रखा और कहा, 'अद्विक भाई, तू तो हमारा 'इवेंट मैनेजर' है। साल खत्म होने में कुछ ही घंटे बचे हैं और अभी तक ग्लास खाली हैं? तैयारी कहाँ तक पहुँची?'

अद्विक ने रहस्यमयी मुस्कान के साथ बगल वाले कमरे की ओर इशारा किया, 'सब इंतजाम पक्का है मेरे दोस्त। उस कमरे में चल, वहाँ जन्नत सजी है।' चारों दोस्त बगल वाले कमरे में पहुँचे, जहाँ एक गोल मेज पर दुनिया भर की बेहतरीन ड्रिंक्स, स्नैक्स और डिनर का प्रबंध था। अद्विक ने बड़ी कुशलता से पैग बनाने शुरू किए। पहला घूँट भरते ही अद्विक बोला, 'भाइयों, एक पल के लिए कल्पना करो। अगर आज हम शादीशुदा होते, तो क्या यहाँ इस तरह बैठे होते? मुमकिन है कि अयांश घर पर बच्चों का डायपर बदल रहा होता, अमन पत्नी की शॉपिंग लिस्ट के साथ मॉल में धक्के खा रहा होता और मैं स्कूल की फीस जमा करने की लाइन में लगा होता। यह आजादी जो हमें मिली है, वह अनमोल है।' चारों ने एक साथ 'चीयर्स' कहा और माहौल और भी गहरा हो गया। अयांश की 'शहीद' होने वाली कहानी बातों का सिलसिला निकला तो अमन ने अयांश की ओर देखते हुए पूछा, 'अरे अयांश, पिछले हफ्ते तू फोन पर बहुत परेशान था। कह रहा था कि घर में 'इमरजेंसी' है। फिर तूने बताया नहीं कि उस शादी वाले मामले का क्या हुआ?'

अयांश ने एक लंबी और राहत भरी सांस ली। 'भाई, मैं तो मौत के मुँह से वापस आया हूँ। तुम्हें तो पता है मेरे पापा मिलिट्री से रिटायर हुए हैं। उनके लिए अनुशासन और आदेश ही सब कुछ है। पिछले दो साल से उन्होंने मेरी शादी को अपना एकमात्र मिशन बना लिया था। इस बार मम्मी ने फोन किया कि उनकी तबीयत बहुत खराब है, मुझे तुरंत घर आना होगा। मैं घबराकर दिल्ली से गाँव पहुँचा, तो देखा मम्मी बिल्कुल भली-चंगी रसोई में पकौड़े तल रही हैं।' अयांश ने आगे बताया, 'तभी घर की घंटी बजी और पापा के जिगरी दोस्त अपनी बेटी के साथ प्रकट हुए। सब कुछ पहले से फिक्स था। मुझे और उस लड़की को बात करने के लिए ऊपर के कमरे में भेज दिया गया। मैं पसीने-पसीने हो रहा था कि अब मना कैसे करूँ? तभी उस लड़की ने ही मोर्चा संभाल लिया। उसने कमरे में घुसते ही कहा- 'देखिए, मेरा एक बॉयफ्रेंड है और मैं उसी से शादी करूँगी। मेरे पापा जबरदस्ती यहाँ लाए हैं। आप मना कर दीजिए।' मुझे लगा जैसे भगवान खुद मदद करने आए हैं। मैंने भी उससे कह दिया कि मैं भी शादी नहीं करना चाहता, पर मेरे पापा 'हिटलर' हैं। अगर मैं सादगी से मना करूँगा, तो वह मेरी खाल खींच लेंगे।'

फिर हमने एक योजना बनाई। अयांश खिलखिलाकर बोला। 'जैसे ही मम्मी चाय लेकर कमरे में आईं, हमने जानबूझकर चिल्लाना शुरू कर दिया। मैंने कहा—'मम्मी, यह लड़की तो बहुत बदतमीज है, इसे बड़ों से बात करने की तमीज नहीं है।' लड़की भी मंझी हुई कलाकार निकली, उसने तुरंत चिल्लाकर कहा कि मैंने उसकी माँ के बारे में अपशब्द कहे हैं। नीचे हॉल में ऐसा हंगामा हुआ कि रिश्ता जुड़ने से पहले ही जलकर राख हो गया। वे लोग बिना चाय पिए भाग गए और मैं अपनी आजादी लेकर वापस आ गया।' अयांश का तर्क स्पष्ट था- 'अभी मेरा करियर है। 32 साल की उम्र में मैं प्राइवेट सेक्टर में 12-12 घंटे काम करता हूँ, तब जाकर प्रमोशन मिलता है। शादी के बाद मैं न ऑफिस को समय दे पाऊँगा और न ही खुद को। इसलिए, 'नो शादी, नो बच्चे'।

"और शादी का सुख ?" अद्विक ने नया प्रसंग छेड़ दिया। "शादी का सुख लेने की बात आपने खूब कहीं। किसी भी लाइक माइंडेड लड़की के साथ दोस्ती करो। जब तक विचार मिले उनके साथ रिलेशन में रहो। मन उब जाए, तब साथ छोड़कर अलग-अलग हो जाओ। खाओ पियो मौज उड़ाओ, न किसी को अपनाने का झंझट, न तलाक देने की परेशानी..।" विधान, जो अब तक शांत बैठा था, बोला, 'अयांश, तूने तो ड्रामा करके खुद को बचा लिया, लेकिन मेरे पड़ोस में रामू आंटी के बेटे का हाल देखो तो रूह कांप जाती है। उसने दहेज और रसूख के लालच में एक बहुत अमीर लड़की से शादी की। आज स्थिति यह है कि उस लड़की ने अपनी अकड़ में बेचारी रामू आंटी को ओल्ड एज होम भेज दिया है। वह लड़का अपने ही घर में एक नौकर की तरह रहता है। उसकी कोई अपनी इच्छा नहीं बची। जब मैं उसे देखता हूँ, तो मुझे लगता है कि अकेले रहकर चैन की नींद सोना किसी भी आलीशान महल की गुलामी से बेहतर है।'

अंत में सबकी निगाहें चौथे दोस्त पर टिकीं। वह शांत, गंभीर और हमेशा खादी के कुर्ते में रहने वाला व्यक्ति था, जिसे सब प्यार से 'नेताजी' बुलाते थे। अद्विक ने पूछा, 'नेताजी, आप तो समाजसेवा की बातें करते हैं। आप क्यों इस गृहस्थी के झमेले से दूर रहना चाहते हैं?' नेताजी ने अपने चश्मे को ठीक किया और बहुत गंभीरता से कहा, 'दोस्तों, मेरा लक्ष्य केवल व्यक्तिगत सुख नहीं, बल्कि समाज की सेवा है। राजनीति की बिसात पर कुंवारा होना एक बहुत बड़ी ताकत है। इसके पीछे मेरे अपने ठोस तर्क हैं।' उन्होंने उंगलियों पर गिनवाते हुए कहा 1. समय की प्रचुरताः एक शादीशुदा नेता हमेशा घर और जनता के बीच बंटा रहता है। मुझे न घर की चिंता करनी है, न बच्चों के स्कूल की। मेरा 24 घंटा जनता का है।

2. ईमानदारी की छविः जनता उस नेता पर ज्यादा भरोसा करती है जिसके आगे-पीछे कोई न हो। लोग सोचते हैं कि यह किसके लिए भ्रष्टाचार करेगा? इसका तो कोई वारिस ही नहीं है।

3. विरासत का मोह नहीं: हमने देखा है कि बड़े-बड़े नेताओं के बिगड़ैल बेटे ही अपने पिता की मेहनत पर पानी फेर देते हैं। परिवारवाद की जड़ ही परिवार है। जब परिवार ही नहीं होगा, तो मोह कहाँ से आएगा? भारत के इतिहास में भी देखो, कई बड़े मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री कुंवारे रहे हैं और उनकी छवि बेदाग रही है। नेताजी की बातों में एक अलग ही गहराई थी। उन्होंने निष्कर्ष निकालते हुए कहा, 'मैंने तय किया है कि मेरा जीवन किसी एक स्त्री या बच्चे के लिए नहीं, बल्कि समाज के हर उस बच्चे के लिए होगा जिसे मेरी जरूरत है। इसलिए-नो शादी, नो बच्चे, बस सेवा!

रात के 12 बजने वाले थे। खिड़की के बाहर गोवा के आसमान में आतिशबाजी शुरू हो चुकी थी। चारों दोस्तों ने एक बार फिर अपने गिलास उठाए। उनकी आँखों में भविष्य के प्रति कोई डर नहीं था, बल्कि अपनी चुनी हुई राह पर चलने का एक गर्व था। उन्होंने जोर से नारा लगाया- 'कुंवारे नेता जिंदाबाद! आजादी जिंदाबाद!' होटल के उस कमरे में चार अलग-अलग कहानियाँ थीं, लेकिन सबका सार एक ही था, अपनी शर्तों पर जीवन जीना। संगीत तेज हुआ, आतिशबाज़ी से आसमान रंगीन हो गया और इसी के साथ नए साल का आगाज हुआ। वे चारों दोस्त, जो समाज की नजर में शायद 'अधूरे' थे, अपनी नजरों में पूरी तरह 'मुकम्मल' महसूस कर रहे थे।

कविता

सुधीर ढांडा कौल

डंडे की मार

जानवरों से मुझे लगाव बहुत है,
उन्हें पालने का चाव बहुत है।

एक साथ बिल्ली बंदर कुत्ते को पाला,
सफ़ेद कुत्ता, भूरा बंदर, बिल्ली
का रंग था काला।

थी तीनों की गजब की यारी,
बिल्ली कुत्ते खेलते,बंदर करता सवारी।

एक ही कटोरे में तीनों खाते थे,
एक दूसरे से लिपटकर सोते थे।

बंदर को मै गाड़ी पर ले जाता था,
कुत्ता बिल्ली के पास घर पर रहता था।

अपने हाथों से खाना उन्हें खिलाता था,
दूध कटोरे में खूब उन्हें पिलाता था।

एक दिन मेरी माँ ने गुस्से में
बिल्ली को डंडा मार दिया

और उस प्यारे कुत्ते को भी घर
से बाहर निकाल दिया।

डंडे से बिल्ली की टाँग टूट गई,
बिल्ली का दर्द देख माँ रूठ गई।

मां ने मरहम बनाई और बिल्ली
की टाँग पर लगाई,

बहुत दिनों बाद बिल्ली बेचारी
थोड़ा थोड़ा चल पाई।

बिल्ली घर से दौड़ गई,
कुत्ते की हो मौत गई,

बंदर को मैंने छोड़ दिया,
जानवरों से नाता तोड़ दिया।

सुधीर टूट गई तीनों की यारी, ये
थी बातें बचपन की सारी।

इसमें कुछ भी झूठ नहीं है,मेरे
पास फोटो जैसा सबूत नहीं है।

कविता

मनोज वशिष्ठ

विश्व वीर विवेकानंद

उठा शिखर से घोष एक, जो सागर पार सुनाया था,
सोए भारत की अंतस को, जिसने आन जगाया था।
गेरुआ वसन, ललाट पे तेज, आँखों में करुणा की धार,
वह संन्यासी नहीं मात्र, था भारत का ही अवतार।

शिकागो की उस सभा बीच, जब गूँजा 'भ्राता-भगिनी' स्वर,
स्तब्ध रह गया विश्व सकल, झुक गया गर्व से मस्तक पर।
वेदांत की पावन वाणी से, जग का संशय दूर किया,
पश्चिम की भौतिक चकाचौंध में, अध्यात्म का नूर दिया।

कहा उन्होंने— उठो! जागो! मत रुको राह के रोड़ों से,
मंजिल तुमको ही चुननी है, संघर्षों के इन घोड़ों से।
शक्ति ही जीवन का सच है, कमजोरी बस एक मृत्यु है,
वीर वही जो अडिग खड़ा, चाहे सम्मुख काल-नृत्य है।

₹मनुष्य-निर्माण₹ ही लक्ष्य रहे, वह शिक्षा असली कहलाती,
जो दीन-दुखी के आँसू पोंछे, वह भक्ति सच्ची कहलाती।
लोहे की हों मांसपेशियाँ, फौलादी जिनका सीना हो,
विवेकानंद के सपनों का, भारत ऐसा नगीना हो।

रेवाड़ी की पावन माटी से, हम यह संकल्प दोहराते हैं,
'विज़न 2026' के पथ पर, हम बढ़ते ही जाते हैं।
हाथों में विज्ञान रहे, और मन में संचित संस्कार रहें,
हम विवेकानंद के अनुयायी, राष्ट्र-प्रेम के आधार रहें।

लघुकथा

डॉ. तबस्सुम जहां

आत्मा का अंश

शिष्यः गुरुजी, आत्मा क्या है?गुरुजीः वत्स, आत्मा एक ऊर्जा है, जो चिरकाल से ब्रह्मांड में विचरण करती है — जैसे असंख्य तारे, ग्रह और धूमकेतु।

शिष्यः और गुरुजी, आत्मिक जुड़ाव क्या होता है?

गुरुजीः जब हमारी आत्मा का कोई अंश एक जन्म से दूसरे जन्म तक किसी को पाने को व्याकुल हो उठता है, जब किसी अनजाने से बिना मिले ही गहरा जुड़ाव महसूस होता है — तब समझना चाहिए कि आत्मा का वह अंश अपने दूसरे हिस्से से मिलने को आतुर है। वह मिलकर पूर्णता की ओर बढ़ना चाहता है।

शिष्यः परंतु गुरुदेव, आत्मा के वे दो हिस्से, दो व्यक्ति, कैसे मिलेंगे?

गुरुजीः वत्स, नियति चाहे जितनी राहें मोड़े, आत्माएँ अपने हिस्सों को ढूंढ ही लेती हैं। जो होना है, वह होकर ही रहता है।

शिष्यः क्या यह ज़रूरी है कि दोनों में प्रेम भी हो? जबकि मिलन से पहले उनके जीवन के मार्ग अलग-अलग हो चुके हैं?

गुरुजीः यही तो नियति की लीला है वत्स। आत्मा जिसे चुनती है, उससे वह प्रेम मांगती नहीं , बस देती है। यह प्रेम देह या मन का नहीं होता, यह निस्वार्थ होता है। आत्मा न किसी शर्त को जानती है, न किसी बंधन को मानती है।

शिष्यः और यदि दूसरा व्यक्ति उस प्रेम को न समझे?

गुरुजीः समझेगा वत्स... समय आने पर अवश्य समझेगा। प्रारंभ में वह भ्रमित रहेगा, दूर भागेगा, कड़वे वचन कहेगा, तिरस्कार करेगा। किंतु जब सब शांत होगा, वह अपने भीतर झांकेगा — तब उसे यह ज्ञात होगा कि जिस प्रेम को वह ठुकरा रहा था, वह कोई साधारण आकर्षण नहीं था... वह उसकी ही आत्मा का एक विलग अंश था।

शिष्यः तब क्या होगा गुरुदेव?

गुरुजी (मुस्कुराते हुए): तब... वह मौन में प्रार्थना करेगा कि वह प्रेम फिर लौट आए। पर तब तक वह प्रेम किसी दूसरी ऊँचाई पर पहुँच चुका होगा। जहाँ से लौटना संभव नहीं होगा। क्योंकि आत्मा का वह अंश अपना कर्तव्य पूरा कर चुका होगा — निःस्वार्थ प्रेम देकर... किसी अपेक्षा के बिना।

'हरियाणवी साहित्य' केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यहां के जनजीवन, इतिहास और दर्शन का दर्पण है। विडंबना यह है कि इतना समृद्ध होने के बावजूद हरियाणवी साहित्य को वह अकादमिक सम्मान और पहचान नहीं मिल पाई है, जिसका वह हकदार है। हरियाणवी साहित्य की जड़ें बहुत गहरी हैं, लेकिन आज भी इसे हिंदी की एक 'बोली' मात्र मानकर हाशिए पर रख दिया जाता है।

मंथन

डॉ. चंद्र त्रिखा

हरियाणवी साहित्य में शोध की नितांत आवश्यकता

हरियाणवी साहित्य' हरियाणा की उज्ज्वल सांस्कृतिक एवं बौद्धिक परंपरा की नींव है। सरस्वती से पोषित हरियाणा की धरती साहित्यिक दृष्टि से बहुत उपजाऊ रही है। इसे वेद, पुराण, गीता, महाभारत आदि पवित्र ग्रंथों की रचना-स्थली होने का गौरव प्राप्त है। आधुनिक साहित्यिक परंपरा का आरंभ हर्षवर्धनकाल से माना जाता है।

इस काल में अनेक ब्राह्मण ग्रंथ एवं वेदों के स्पष्टीकरण हेतु धर्मसूत्र, उपनिषद्, मनुस्मृति, महाभारत आदि की रचना की गई। इसके अतिरिक्त अनेक काव्य धाराएं यथा जैन काव्यधारा, संत काव्यधारा, सूफी काव्यधारा, वैष्णव भक्ति काव्यधारा आदि प्रवाहित हुई। विशाल 'हरियाणवी साहित्य' में जो साहित्य 'हरियाणवी' में लिखा गया, उसने हरियाणा को विशेष पहचान दी है।

'हरियाणवी साहित्य' केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यहाँ के जनजीवन, इतिहास और दर्शन का दर्पण है। विडंबना यह है कि इतना समृद्ध होने के बावजूद, हरियाणवी साहित्य को वह अकादमिक सम्मान और पहचान नहीं मिल पाई है, जिसका वह हकदार है। हरियाणवी साहित्य की जड़ें बहुत गहरी हैं। नाथ-सिद्ध परंपरा से लेकर सूफी संतों की वाणियों तक और पंडित लखमीचंद के सांगों से लेकर आधुनिक कविता तक, इसका विस्तार बहुत बड़ा है, लेकिन आज भी इसे हिंदी की एक 'बोली' मात्र मानकर हाशिए पर रख दिया जाता है। विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में हरियाणवी साहित्य का हिस्सा न के बराबर है। जो थोड़ा बहुत साहित्य उपलब्ध है, वह या तो मौखिक परंपरा में है या फिर पुरानी, जीर्ण-शीर्ण पांडुलिपियों में बंद है।

'श्रुति परंपरा' पर आधारित है साहित्य का बड़ा हिस्सा

हरियाणवी साहित्य का एक बहुत बड़ा हिस्सा 'श्रुति परंपरा' पर आधारित है। हमारे बुजुर्गों के पास लोकगीतों, किस्सों, मुहावरों और कहानियों का खजाना है। जैसे-जैसे पुरानी पीढ़ी जा रही है, यह खजाना भी लुप्त होता जा रहा है। शोध के माध्यम से इन मौखिक रचनाओं को लिपिबद्ध करना अत्यंत आवश्यक है, अन्यथा आने वाली पीढ़ियों के लिए यह इतिहास हमेशा के लिए मिट जाएगा। हम पं. लखमीचंद, बाजे भगत या पं. मांगेराम जैसे बड़े रचनाकारों को तो जानते हैं, लेकिन हरियाणा के गांवों में ऐसे सैकड़ों कवि और रचनाकार हुए हैं जिनकी

रचनाएं अद्भुत हैं, लेकिन उन्हें कोई नहीं जानता। इसलिए अब आवश्यक है कि गांवों की खाक छानकर ऐसे गुमनाम रचनाकारों को खोजा जाए और उन्हें साहित्य के पटल पर स्थापित किया जाए।

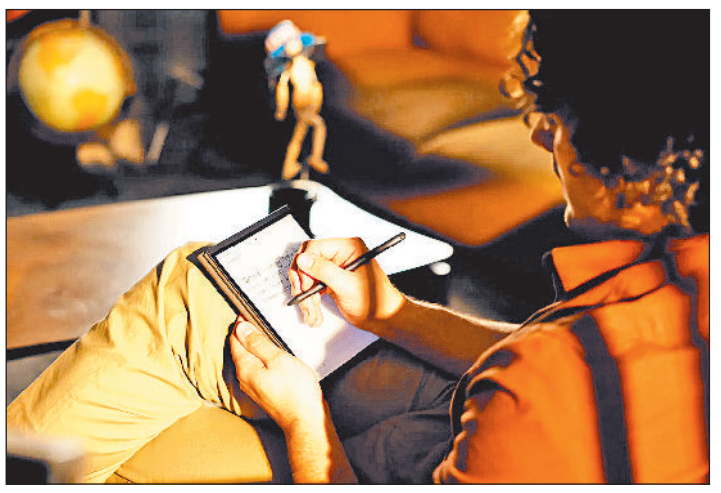

अतीत में इस दिशा में दिवंगत देवी शंकर प्रभाकर, शसाधुराम शारदा, प्रोफेसर लालचंद गुप्त मंगल रघुवीर मथाना, प्रोफेसर बाबूराम, डॉ. रामफल चहल, डॉ. राजेंद्र वत्स द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में हरियाणवी साहित्य के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया गया है। हरियाणवी भाषा एवं लिपि के क्षेत्र में डॉक्टर जगदेव सिंह द्वारा ठोस कार्य किया गया है। आवश्यकता है इस लग्न एवं प्रतिबद्धता के साथ इस कार्य को आगे बढ़ाया जाए।

ठोस कदम उठाने होंगे

शोध की दिशा में सकारात्मक बदलाव के लिए कुछ ठोस कदम उठाने होंगे। पुरानी पांडुलिपियों और ऑडियो रिकॉर्डिंग्स को डिजिटल रूप में संरक्षित किया जाना चाहिए। एम.ए. और पीएच.डी. करने वाले छात्रों को हरियाणवी साहित्य पर शोध करने के लिए विशेष छात्रवृत्ति दी जानी चाहिए। ऐसे प्रोजेक्ट्स शुरू करने चाहिए जिनमें शोधकर्ता गांवों में जाकर लोक साहित्य इकट्ठा करें। यह केवल भाषा का सवाल नहीं है, बल्कि यह हरियाणवी अस्मिता और संस्कृति को बचाने का सवाल है। जब हम अपनी भाषा और साहित्य पर शोध करेंगे, तभी हम दुनिया को बता पाएंगे कि हरियाणवी केवल 'लठ्ठमार' बोली नहीं है, बल्कि इसमें जीवन का गहरा दर्शन, प्रेम और करुणा भी समाहित है।

हरियाणवी भाषा बांगरू, देशवाली, अहीरवाटी, कौरवी आदि के नाम से हर 20-30 किलोमीटर पर बदल जाती है। शोध की कमी के कारण इसका कोई एक मानक सर्वमान्य रूप विकसित नहीं हो पाया है। जब तक भाषा के व्याकरण और शब्दकोश पर गहरा शोध नहीं होगा, तब तक इसे शिक्षा के माध्यम के रूप में या संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल करने का दावा मजबूत नहीं हो पाएगा। हरियाणवी सांगों और रागनियों में उस समय की सामाजिक कुरीतियों, अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष, अकाल और खेती-किसानी के संघर्ष का वर्णन मिलता है।

शोध द्वारा हमें हरियाणा का एक ऐसा सामाजिक इतिहास मिलेगा जो किसी इतिहास की किताब में नहीं है। हरियाणवी अब केवल रागनियों तक सीमित नहीं है। आज अनेक कवि हरियाणवी में गजलें, दोहे, मुक्तक, नाटक और उपन्यास लिख रहे हैं।

अध्यात्म एवं यथार्थ का संगम है 'जब तक तुम ना आओगे'

पुस्तकः जब तक तुम ना आओगे
लेखिकाः सविता गर्ग
मूल्यः 210 रुपये
प्रकाशकः अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

पुस्तक समीक्षा

डॉ. विजेंद्र कुमार

कवयित्री सविता गर्ग से मेरा परिचय काफी पुराना है। उसने अपनी पहली काव्य कृति 'मैं मीरा सी' मुझे भेंट की थी। जब तक तुम ना आओगे उनका चौथा काव्य संग्रह है। इस काव्य संग्रह में उनकी 97 कविताएं संकलित हैं। इन कविताओं में कवयित्री का मन प्रेम, भक्ति, देश प्रेम ,अध्यात्म, विरह तथा समकालीन यथार्थ के विभिन्न आयामों की यात्रा करता प्रतीत होता है। यह सभी कविताएं उनकी रचनाशीलता के बहुआयामी व व्यापक दृष्टिकोण को रेखांकित करती हैं। श्री कृष्ण को समर्पित कुछ कविताएं उनकी आध्यात्मिक चेतना के उज्ज्वल स्वरूप को आलोकित करती हैं। कवयित्री ने यह संग्रह भगवान श्री कृष्ण को ही समर्पित किया है। सविता अपनी अनुभूति को व्यक्तिगत परिधि से निकालकर सार्वभौमिक करने में सफल रही हैं। नारी पीड़ा की वेदना उनकी इन कविताओं में दृष्टव्य है - सिया सती राधा रुक्मण सारे रूपों से गुजरी हूं मोहन की जोगन बन घूमी में मीरा वही दीवानी हूं। इसी प्रकार मैं सदियों पुरानी हो गई हूं कविता में वह कहती हैं : परियों की कहानी हो गई हूं, शिलाओं पर लिखी निशानी हो गई हूं। 'जीवन उत्सव है' कविता का संदेश अनुकरणीय है, मानवता हो धर्म सभी का, सब उस रब के बंदे नेक भाव हो नेक हो नीयत नेक हो सब धंधे निर्बल का बल बन जाए जीवन उत्सव है। शहीदों को समर्पित कविता में वह कहती हैं -भारत मां के वीर सिपाही हंस फांसी पर झूल गए, हाय दुर्भाग्य हमारा, हम उनको ही भूल गए। देश की सीमाओं पर बलिदान शहीद के लिए लिखा उनका एक गीत बहुत मार्मिक बन पड़ा है। इस गीत से उन्हें मंचों पर विशेष ख्याति भी मिली है : प्राण तन में नहीं आंखें पथराई हैं उसके बिना घर की खुशियां मुरझाई हैं, रोता रहता है उसका पिता डाकिए उसकी आई क्या चिट्ठी बता डाकिए। नए साल की शुभकामनाएं देती कवयित्री कहती है- मानव धर्म सभी अपनाए जात-पात आड़े ना आए दिल में ज्ञान की जोत जलाएं दुख के बादल सब छट जाएं नए साल की भोर में। सविता गर्ग के मधुर कंठी गीतों की महक अनेक काव्य मंचों की शोभा बनती है। उनकी रचना धर्मिता में अपार संभावनाएं भी हैं। आलोच्य काव्य संग्रह का प्रकाशन एवं प्रस्तुतिकरण दोनों ही उत्कृष्ट कोटि के हैं।

खबर संक्षेप

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार असहनीय : लोकेश

रोहतक। भारतीय जनता पार्टी के सह जिला मीडिया प्रभारी एवं स्वामी परमानंद धर्मार्थ ट्रस्ट हरियाणा के कोषाध्यक्ष लोकेश शर्मा ने बांग्लादेश में हिन्दू समाज पर हो रहे लगातार अत्याचारों को लेकर गहरी चिंता और आक्रोश व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिन्दू मंदिरों को जलाया जा रहा है, महिलाओं व बहन-बेटियों के साथ अमानवीय अत्याचार किए जा रहे हैं तथा छोटे-छोटे मासूम बच्चों तक को जिंदा जलाया जा रहा है। यह घटनाएं न केवल हिन्दू समाज बल्कि पूरी मानवता को शर्मसार करने वाली हैं। उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा बांग्लादेशी खिलाड़ियों को आईपीएल में शामिल न करने के निर्णय का स्वागत करते हुए बीसीसीआई को बहुत-बहुत साधुवाद दिया।

बस की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल

बहादुरगढ़। किसान चौक पर प्राइवेट बस व बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार व्यक्ति को काफी चोट आई। घायल ने हादसे के लिए बस चालक को जिम्मेदार ठहराते हुए पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस ने मामले में छानबीन शुरू कर दी है। घायल की पहचान हरकेश के रूप में हुई है। हरकेश रोहतक के खिड़वाली गांव का रहने वाला है। उसका कहना है कि गत 24 दिसंबर को वह बाइक पर सवार होकर बहादुरगढ़ से रोहतक जा रहा था। जब किसान चौक पर पहुंचा तो एक प्राइवेट बस चालक ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया।

कैंटर की चपेट में आने से युवक हुआ जख्मी

बहादुरगढ़। रोहतक-दिल्ली मार्ग पर शहीद ब्रिगेडियर होशियार सिंह मेट्रो स्टेशन के नीचे कैंटर की चपेट में आने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे पीजीआई रोहतक भर्ती कराया गया है। पीड़ित ने पुलिस को शिकायत दे दी है। घायल की पहचान साहिल के रूप में हुई है। वह मांडोठी गांव का रहने वाला है। साहिल का कहना है कि गत 31 दिसंबर की शाम करीब साढ़े पांच बजे वह बहादुरगढ़ में ब्रिगेडियर होशियार सिंह मेट्रो स्टेशन के नीचे सड़क क्रॉस कर रहा था। इसी दौरान दिल्ली की तरफ से आए कैंटर चालक ने टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद मौके से फरार हो गया।

प्रकृति की वजह से हमें हर चीज आसानी से प्राप्त हो रही : डॉ. राजीव शास्त्री

■ दयानंदमठ में मासिक वैदिक सत्संग का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

आर्य प्रतिनिधि सभा हरयाणा, दयानन्दमठ में प्रतिमास के प्रथम सप्ताह में होने वाले मासिक वैदिक सत्संग का शुभारम्भ प्रातः 9 बजे यज्ञ द्वारा किया गया। यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य सन्तराम रहे। इसके पश्चात राजकुमार आर्य, सत्यवती आर्या, सुदेश आर्या, हनुमत मकड़ौली तथा माता कृष्णा देवी आर्या द्वारा भजनों एवं प्रवचनों के माध्यम से देश-भक्ति, भारत देश की वर्तमान दुर्दशा तथा ऋषिवर देवदयानन्द द्वारा समाज के लिए किए गए उपकार आदि के बारे में सुन्दर सन्देश दिया। मंच का संचालन करते हुए वेदप्रचार मण्डल जिला प्रधान सुभाष सांगवान ने बताया कि आज के इस वैदिक सत्संग में आर्य प्रतिनिधि सभा हरयाणा दयानन्दमठ रोहतक के नवनिर्वाचित प्रधान धर्मवीर सिंह आर्य (पानीपत), मन्त्री विजय पाल सिंह आर्य (सोनीपत) एवं कोषाध्यक्ष मोहित गर्ग आर्य (यमुनानगर) पहुंचे हैं। वेद प्रचार की दिशा में गति प्रदान करने के लिए इन तीनों महापुरुषों से अनुरोध किया जाएगा।

आज के मुख्यवक्ता के रूप में वैदिक विद्वान डॉ. राजीव शास्त्री (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक) का मासिक वैदिक सत्संग में पहुंचने पर भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। उन्होंने बहुत ही सुन्दर एवं सरल शब्दों में प्रवचन के माध्यम से मनुष्य के उत्तम जीवन के प्रमुख उद्देश्य पर विचार रखे। उन्होंने सर्वप्रथम वेदमन्त्र का उच्चारण किया। उन्होंने परमपिता परमात्मा की पावन रचना के बारे में विस्तार से बताया कि परमपिता परमात्मा ने हमें किस प्रकार बनाया है और हमारी सुविधा के लिए सभी आवश्यक सामान सुरक्षित किए हैं। प्रकृति भी समय-समय पर अपना काम कर रही है जिससे हमें हर चीज आसानी से प्राप्त हो जाती है। उन्होंने परमपिता परमात्मा के उपकारों पर विस्तृत चर्चा की। सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम के अन्त में सुभाष सांगवान ने मंच पर उपस्थित सभी विद्वान्, साधु-सन्त तथा सभी सत्संग-प्रेमियों का सत्संग में पधारने पर हार्दिक धन्यवाद किया।

आर्य समाज का करें सहयोग : प्रधान धर्मवीर

रोहतक के नवनिर्वाचित प्रधान धर्मवीर सिंह आर्य (पानीपत) ने सत्संग सभा को संबोधित करते हुए बताया कि हमें और मजबूती से आर्यसमाज का कार्य करना है और इस दिशा में आप सबका सहयोग हमें मिलना चाहिए। वहीं सभामन्त्री विजय पाल सिंह आर्य ने भी श्रोताओं को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रधान धर्मवीर सिंह आर्य और हम सब आपके सहयोग से इस गति और तेरी से आगे बढ़ायेंगे। सत्संग में उपस्थित श्रोताओं ने भी अपने विचार प्रधान के समक्ष रखे। प्रधान ने सभी को आश्वासन दिया।

शुद्ध आचार-विचार अपनाने की प्रेरणा दी

डॉ. राजीव शास्त्री ने खान-पान, रहन-सहन तथा शुद्ध आचार-विचार को विशेष महत्त्व दिया। उन्होंने महर्षि दयानन्द सरस्वती द्वारा निर्धारित प्राचीन गुरुकुल की शिक्षा पद्धति, दिनचर्या, उद्देश्य तथा उनके लाभ के बारे में भी विस्तार से चर्चा की। सभी आर्यजनों को स्वाध्याय एवं सत्संग से जोड़ने का भी प्रयास किया और कहा कि हम आर्यों को पुरुषार्थ एवं शुभकर्म करते हुए तथा अच्छे लोगों के संसर्ग में आकर अपने जीवन को बदलना चाहिए। हमें अच्छे कर्म करने चाहिएं, जिससे हमारा उत्तरोत्तर उन्नति हो, तभी हम दूसरों को भी आर्य बना सकेंगे। मंच पर उपस्थित आचार्य सन्तराम, हवासिंह राठी, रामकिशन बाल्याण रिटायर्ड तहसीलदार, बलराज खुराना, होशियार सिंह आर्य आदि उपस्थित रहे।

चैंपियनशिप में विजेता रहा फ्रेंडस स्पोर्ट्स टेबिल टेनिस क्लब

प्रदेश के खिलाड़ियों की वजह से देश व दुनिया में हरियाणा की अलग पहचान

- *खिलाड़ियों के लिए जिले में विकसित किया वातावरण: डीसी*
- *सरकार की खेल नीति दूसरे राज्यों के लिए बनी रोल मॉडल*

उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा कि सरकार ने ओलम्पिक खेलों में स्वर्ण विजेता को 6 करोड़, रजत पदक विजेता 4 करोड़, कांस्य पदक विजेता को 2.50 करोड़ के नकद पुरस्कार व प्रत्येक प्रतिभागी खिलाड़ी को 15 लाख रूपये देने का प्रावधान किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

राजकीय महिला महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय प्रथम मिश्रित टेबल टेनिस चैंपियनशिप का आज समापन हो गया। फ्रेंडस स्पोर्टस टेबल टेनिस क्लब को इस प्रतियोगिता का विजेता घोषित किया गया। उपायुक्त सचिन गुप्ता तथा उनकी धर्मपत्नी हेना सुखना संयुक्त आयुक्त (आयकर) ने खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने प्रतियोगिता के प्रतिभागी खिलाड़ियों की मेहनत की सराहना की। उन्होंने जहां विजेता टीम के खिलाड़ियों को शाबाशी दी, वही इस प्रतियोगिता में द्वितीय व तृतीय स्थान पर रही टीमों के खिलाडियों का भी हौसला बढ़ाते हुए कहा कि उन्हें आगामी प्रतियोगिता जीतने के लिए और अधिक मेहनत करनी होगी। सचिन गुप्ता ने कहा कि जिला स्तर पर खेल के माहौल को बेहतर बनाने के लिए हर संभव कदम उठाए गए हैं।उन्होंने कहा कि प्रदेश के खिलाड़ियों की वजह से देश व दुनिया में हरियाणा की एक अलग पहचान है। हरियाणा ने अपनी मजबूत खेल नीति और जमीनी स्तर पर निवेश के कारण खुद को भारत का एक प्रमुख खेल केंद्र स्थापित किया है, जिससे देश के लिए कई खेल सितारे पैदा हुए हैं। उपायुक्त ने कहा कि खेल प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए सरकार ने अनेक कदम उठाए हैं।

रोहतक। टेबल टेनिस चैंपियनशिप में भाग लेते प्रतिभागी।

रोहतक। विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते उपायुक्त सचिन गुप्ता तथा उनकी धर्मपत्नी हेना सुखना संयुक्त आयुक्त आयकर।

प्रतिभाओं का सम्मान

उपायुक्त ने कहा कि खेल प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए सरकार ने अनेक कदम उठाए हैं। बचपन से ही खिलाड़ियों को तराशने के लिए खेल नर्सरियां खोली गई हैं। इनमें उन्हें वित्तीय सहायता व प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। राज्य सरकार की खेल नीति का जिक्र करते हुए उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा कि ओलम्पिक खेलों में स्वर्ण विजेता को 6 करोड़ रूपये, रजत पदक विजेता 4 करोड़ रूपये, कांस्य पदक विजेता को 2.50 करोड़ रूपये के नकद पुरस्कार तथा प्रत्येक प्रतिभागी खिलाड़ी को 15 लाख रूपये देने का प्रावधान किया गया है।

टीम में ये रहे शामिल, खिलाड़ियों ने खेल से किया प्रभावित

प्रथम मिश्रित टेबल टेनिस चैम्पियनशिप प्रतियोगिता जीतने वाली फ्रेंडस स्पोर्टस टेबल टेनिस क्लब टीम में जुबिन कुमार, सुहाना सैनी, पारस और अरनव वर्मा शामिल थे। दूसरे स्थान पर रही ऐस अटैकर्स टीम में निकुंज अत्री, अंजलि रोहिल्ला, अवनी ढुआ और भाव्या शामिल थी। तीसरे स्थान पर रही श्रीराम सेना गुरुग्राम टीम में सिद्धांत कटारिया, काशवी कालड़ा, अवनी झांगू तथा ग्रंथ डुक्लान शामिल रहे। चौथे स्थान पर रही स्टार टेबल टेनिस क्लब टीम में आरव आचार्य, राधिका सोनी, भवति बिष्ट और आरव साहनी शामिल थे। प्रतियोगिता की आयोजक टेबल टेनिस कोच भावना सैनी ने आए हुए मेहमानों का स्वागत किया और स्मृति चिन्ह भेंट किया। उन्होंने बताया कि स्कॉलर रोजरी स्कूल द्वारा प्रायोजित इस प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों ने भाग लिया। इस अवसर पर विकास सैनी, गौरव नागपाल, नित्य नागपाल, यश शर्मा, टीना शर्मा, अरुण झांगू, कुणाल कुमार, गणेश आहूजा, नीरज सिंह, सतबीर सैनी व कमला सैनी आदि उपस्थित थे। ओलम्पिक खेलो हेतू चुने गए हरियाणा के खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार राशि में से प्रशिक्षण तथा खुराक हेतू अग्रिम 5 लाख रूपये देने का प्रावधान है। इसी प्रकार से पैरालम्पिक ओलम्पिक पदक विजेताओं को तथा प्रतिभागिता करने पर सामान्य खिलाड़ियों की भांति नकद पुरस्कार की बराबर राशि प्रदान किये जाने का प्रावधान किया गया है।

रोहतक में पार्टी को किया जाएगा मजबूतः पांडेय

रोहतक। लोकजन शक्ति पार्टी (रा) की जिला इकाई की रविवार को पार्टी कार्यालय में बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता अध्यक्ष वेद प्रकाश पांडेय ने की। इनके अलावा, जिला उपाध्यक्ष प्रणव कुमार जिला सचिव अजित श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष सचिन सैनी, विधानसभा अध्यक्ष मिथलेश पांडेय, दिनेश सिंह, नारायण मौर्या, हरीश जांगड़ा, बबलू, अनिल पाठक, वकील, संजय साह, हरेराम मौजूद रहे। इस मौके पर वेद प्रकाश पांडेय ने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव तक पार्टी संगठन को शहर में पूरी तरह से मजबूत कर दिया जाएगा। इसके लिए अभियान प्रारंभ किया जा चुका है। पांडेय ने पार्टी कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे पार्टी की नीतियों को लेकर लोगों के बीच में जाएं। ताकि लोग पार्टी की विचारधारा के बारे में जान सकें।

रोहतक। रेड क्रॉस सोसाइटी झज्जर सचिव देवेंद्र चहल को सेवानिवृत्त पर सम्मानित करते डॉ सीएस नागर एवं निदेशक डॉ निर्मल गोरियान व जेपी गौड़।

रेडक्रॉस सोसाइटी झज्जर के सेवानिवृत्त सचिव देवेंद्र चहल को किया सम्मानित

रोहतक। सहयोग सारथी सोसायटी द्वारा इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी झज्जर सचिव देवेंद्र चहल को सेवानिवृत्त उपरांत आदर्श चंद्र मेडिकेयर सेंटर झज्जर चुंगी पर समारोह में सम्मानित किया गया। जिसमें देवेंद्र चहल को उनकी प्रशासनिक सेवाओं, सामाजिक योगदान एवं मानवीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रक्तदाता प्रेरक जेपी गौड ने की। कार्यक्रम का संयोजन संस्था के कोषाध्यक्ष डॉ सीएस नागर एवं निदेशक डॉ निर्मल गोरियान ने सयुंक्त रूप से किया। डॉ नागर ने बताया, समारोह में वक्ताओं ने देवेंद्र चहल ने इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के माध्यम से रक्तदान शिविरों, स्वास्थ्य जांच शिविरों एवं आपदा राहत कार्यों में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है।

गोयल क्रिकेट क्लब ने भारती क्रिकेट अकादमी को 8 विकेट से हरा, खिताब जीता

रोहतक। महाराजा अग्रसेन स्टेडियम में रविवार को खेले गए मास्टर धर्मपाल मेमोरियल अंडर-13 क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में गोयल क्रिकेट क्लब ने शानदार और संतुलित प्रदर्शन करते हुए भारती क्रिकेट अकादमी को 8 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। मुकाबले में क्लब ने हर क्षेत्र में बेहतर खेल दिखाया और मैच को एकतरफा बना दिया। इससे पूर्व टॉस जीतकर भारती क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। लेकिन उनकी शुरुआत बेहद कमजोर रही। गोयल क्रिकेट क्लब की स्टीक और अनुशासित गेंदबाजी के सामने विरोधी टीम ठहर नहीं सकी। भारती क्रिकेट अकादमी की ओर से उदयवीर ने सबसे अधिक 80 गेंदों पर 39 रन बनाए। जबकि हितेश बत्रा ने 54 गेंदों पर 36 रन का योगदान दिया। कप्तान नमन शर्मा सहित अन्य बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में असफल रहे और पूरी टीम 43 ओवरों में 137 रन पर ऑलआउट हो गई। गोयल क्रिकेट क्लब की ओर से गेंदबाजी में मयंक मेवलीवाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 ओवर में केवल 29 रन देकर 3 विकेट झटके। अथर्व देव ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए 2 विकेट लिए। जबकि विदित ने भी अहम विकेट लेकर विपक्षी टीम पर लगातार दबाव बनाए रखा। 138 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गोयल क्रिकेट क्लब की शुरुआत संयमित रही।

महम। कथा सुनती महिलाएं। *फोटो : हरिभूमि*

श्री बांके बिहारी मंदिर में भागवत कथा के तीसरे दिन महादेव का गुणगान

महम। श्रीमद् भागवत महापुराण कथा महम शहर के श्री बांके बिहारी मंदिर में चल रही है। आज कथा का तृतीय दिवस था। इस दिन महादेव की महिमा का गुणगान किया गया। बताया कि ठाकुर जी श्री कृष्ण चंद्र भगवान यह हमारे महादेव जिसको कोई नहीं अपनाता उसको मेरा महादेव अपनाता है। श्री कृष्ण की भक्ति पानी है अर्थात राधा रानी का प्रेम तत्व पाना है।

कांग्रेसियों ने सांसद दीपेंद्र हुड्डा का जन्मदिन मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा का जन्मदिन कांग्रेस भवन में संगठनात्मक एकजुटता और जनसेवा के संकल्प के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत हवन के साथ हुई। इसके उपरांत आयोजित रक्तदान शिविर में 100 से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर कांग्रेस की जनकल्याणकारी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया। कार्यकर्ताओं द्वारा केक काटकर खुशी जाहिर की गई।

इस अवसर पर पूर्व सांसद एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता शादीलाल बत्रा, विधायक बीबी बत्रा और जिला अध्यक्ष (शहरी) कांग्रेस कमेटी रोहतक कुलदीप केडी, कुलदीप नंबरदार और ग्रामीण जिला अध्यक्ष बलवान रंगा मौजूद रहे। नेताओं ने अपने संबोधन में कहा कि सांसद दीपेंद्र हुड्डा युवाओं, किसानों और आमजन की आवाज बनकर संसद से सड़कों तक मजबूती से संघर्ष कर रहे हैं। कार्यक्रम में चंद्रसेन, पंकज सचदेवा, हरभजन खेड़ा, एडवोकेट सुरेंद्र, अनील मेहरा, बलजीत राणा, शहरी अध्यक्ष महिला निर्मल बलहरा, गीता भारती, कविता शर्मा, डॉ. निर्मला बलहरा, राजदुलारी, सोहन राणा, लोकीराम प्रजापति, सुलभ गुगनानी, डॉ. मामराज स्वामी, मामराज स्वामी, पवन विरमानी, अजय देवगन, गुलशन पुनियानी, पूर्व पार्षद संजय सैनी, पूर्व पार्षद कदम सिंह अहलावत, अनुराग परवाना, अनिल सैनी, राजेश सैनी, लाल परमार, मोनू शर्मा, जय भगवान वशिष्ठ, राज बहादुर, हरिचंद निंबड़िया आदि रहे।

रोहतक। सांसद दीपेंद्र हुड्डा के जन्मदिन पर हवन करते कांग्रेस कार्यकर्ता।

साथ मिलकर मनानी होंगी महापुरुषों की जयंतियां

भारत विश्व का मार्गदर्शन कर सके इसके लिए देश को आंतरिक तौर पर करना होगा मजबूत : होसबाले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि भारत विश्व का मार्गदर्शन कर सके इसके लिए देश को आंतरिक तौर पर मजबूत करना होगा, आंतरिक ताकत देनी होगी और संघ पिछले 100 वर्षों से इसके लिए ही कार्यरत है। देश को आंतरिक तौर पर मजबूत करने के लिए समाज की सज्जन शक्ति को एकजुट होकर आगे आना होगा। सदभाव के साथ सभी महापुरुषों की जयंती मिलकर मनानी होंगी तभी राष्ट्र मजबूत होगा और जात-पात की खाई को पाटा जा सकेगा। दत्तात्रेय होसबाले रविवार को गोहाना रोड स्थित शिक्षा भारती वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में "सज्जन शक्ति की समाज परिवर्तन में भूमिका" विषय पर सामाजिक सदभाव विचार गोष्ठी को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उत्तर क्षेत्र संघचालक पवन जिंदल, क्षेत्र प्रचारक जतिन कुमार, क्षेत्र कार्यकारिणी सदस्य रामेश्वर, क्षेत्र कार्यवाह रोशन लाल, प्रांत संघचालक प्रताप सिंह, प्रचारक डॉ सुरेंद्र पाल, कार्यवाह डॉ प्रताप सिंह, सहकार्यवाह राकेश, डॉ प्रीतम सिंह, प्रचार प्रमुख राजेश कुमार भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि संघ पिछले 100 वर्षों से व्यक्ति निर्माण का कार्य कर रहा है। ताकि समाज का हित किया जा सके। इसमें सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग, कुटुम्ब प्रबोधन तथा नागिरक कर्त्तव्य हैं।

रोहतक। गोष्ठी को सम्बोधित करते सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले।

रोहतक। कार्यक्रम में मौजूद सामाजिक व धार्मिक संगठनों के गणमान्य लोग।

आपसी फूट के कारण झेलनी पड़ी गुलामी

दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि 1600 ई में भारत का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापार व्यवस्था में 23 प्रतिशत हिस्सा था। इससे यह पता चलता है कि प्राचीन काल में भारत आर्थिक तौर पर कितना समृद्ध था। हमारी ज्ञान परंपरा, संस्कृति विश्व के सभी देशों से अच्छी थी, हम समस्त विश्व को एक कुटुम्ब तथा भारत के सभी धर्मों, परंपराओं, रीति-रिवाजों को अपना मानते हैं। एक चीटी में भी ईश्वर का अंश देखते हैं, लेकिन हम जाति-पाति, भिन्न-भिन्न पंथों में बंट गए और विदेशी आक्रांताओं ने इसका फायदा उठाया और हमें लंबे समय तक गुलामी झेलनी पड़ी।

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में शिक्षकजन गोष्ठी

जीवन भर सीखने की जिज्ञासा ही शिक्षक को बनाती है सच्चा मार्गदर्शकः दत्तात्रेय होसबाले

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में शिक्षकजन गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले रहे। उनके आगमन पर श्री बाबा मस्तनाथ मठ एवं बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय परिवार की ओर से उनका हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति महंत बालकनाथ योगी ने की, जबकि मंच संचालन प्रो. पवन जालवाल ने किया। मुख्य वक्ता दत्तात्रेय होसबाले ने अपने संबोधन में कहा कि जो व्यक्ति जीवन भर विद्यार्थी बना रहता है, वही सच्चा शिक्षक कहलाने योग्य होता है। जिस दिन किसी व्यक्ति में सीखने की जिज्ञासा समाप्त हो जाती है, उसी दिन उसकी गति रुक जाती है। शिक्षक का दायित्व केवल पढ़ाना नहीं, बल्कि स्वयं निरंतर सीखते रहना भी है। उन्होंने भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरीय का उदाहरण देते हुए बताया कि महान व्यक्तित्व वही होते हैं, जिनमें जीवन भर सीखने की ललक रहती है। अच्छे शिक्षक का अर्थ यही है कि वह यह सोचता रहे कि वह और क्या सीख सकता है। मौके पर सुरेंद्र पाल प्रांत प्रचारक, प्रताप, प्रांत संघ संचालक, जतिन, विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बीएम यादव, कुलसचिव, डॉ. विनोद कुमार, नवीन कुमार डीन एकेडमिक अफेयर्स सहित अनेक शिक्षाविद्, शोधार्थी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

रोहतक। गोष्ठी के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले का स्वागत करते कुलाधिपति महंत बालकनाथ योगी।

MANSAROVER HOSPITAL
MULTI SUPER SPECIALITY HOSPITAL
NEAR PNB BANK, OPP. VIKAS NAGAR, SONIPAT ROAD, ROHTAK, HARYANA
RECEPTION: 01262-253500, 9053005599, 9254302848
Latest MRI & Multi Slice CT SCAN
- Neuro Surgery
- General Medicine
- General Surgery
- Orthopedics
- ब्रेन, रीढ़ की हड्डियों का ईलाज
- दूरबीन द्वारा सभी बिमारियों के ऑपरेशन
- पेट, छाती से सम्बंधित सभी बिमारियों का ईलाज

फौजी भाईयों का इलाज ECHS
- हरियाणा सरकार
- आयुष्मान भारत
- ESIC के पैनल पर

DR. BALKISHAN GOEL
M.B.B.S, M.S, M.CH.
TRAUMA CENTRE, ICU & CRITICAL CARE
NEURO-ICU, GENERAL ICU, HDU (HIGH DEPENDANCY UNIT) जहर POISIONING CASE
24 HRS LAB/CAFE/PHARACY/AMBULANCE

खबर संक्षेप

समर्थगुरु संघ में सुप्रभात ध्यान संपन्न

रोहतक। ओमैक्स सिटी स्थित समर्थगुरु संघ रोहतक के मेडिटेशन सेंटर में रविवारीय ध्यान आयोजित किया गया। आचार्या मां मोनिका ने सुप्रभात ध्यान से साधकों को ध्यान की गहराई में उतारा। जिला समन्वयक डॉक्टर परमवीर फोगाट ने हिसार शहर में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय प्रोग्राम ध्यान योग के बारे में बताया। 30 जनवरी से एक फरवरी तक आयोजित होने वाले प्रोग्राम में हजारों साधक भाग लेंगे। मौके पर केंद्र समन्वयक ओंकार, वरिष्ठ आचार्य अनहद, अजय देसवाल, सुभाष सांगवान, गुलशन, विजय बोहर व मीडिया समन्वयक संदीप नैन मौजूद रहे।

आरकेपी स्कूल में पीटीएम आयोजित

महम। आरकेपी स्कूल मदीना में रविवार को नर्सरी से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों के लिए पीटीएम आयोजित की गई। इस दौरान अभिभावकों ने अपने नौनिहालों की शैक्षणिक प्रगति रिपोर्ट ली। पीटीएम का मुख्य उद्देश्य शीतकालीन अवकाश गृहकार्य तथा आने वाली वार्षिक परीक्षा की तैयारी और विद्यार्थियों के व्यवहार पर चर्चा रहा। प्रधानाचार्या गीता राठी ने कहा कि बच्चों को ट्यूशन न भेज कर घर पर ही पढ़ने की आदत का विकास करें।

तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल और खेल मंत्री विज ने 4 फरवरी 2018 को किया था उद्घाटन

उद्घाटन के आठ साल बाद भी नहीं शुरू हो पाया भारतीय खेल प्राधिकरण का हॉस्टल

7 अक्टूबर 2012 को तत्कालीन केंद्रीय खेल राज्य मंत्री अजय माकन और सीएम हुड्डा ने किया था शिलान्यास

राज कुमार नरवाल ⏭ महम

महम। भारतीय खेल प्राधिकरण का महम में बनाया गया 100 बिस्तरों का खेल छात्रावास भवन। *फोटो: हरिभूमि*

खिलाड़ियों को हो रही भारी परेशानी जल्द हो समाधान

बिल्डिंग का निर्माण कार्य पूरा हुए भी 10-12 साल हो गए

मगर न तो यहां पर भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रशिक्षक आए और न ही खिलाड़ी

खेलों में महम क्षेत्र के खिलाड़ियों ने अंतर राष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया है। यहां के मोखरा गांव की पहलवान साक्षी मलिक ने ओलंपिक में पदक जीता था। इस क्षेत्र के कई खिलाड़ी अर्जुन अवार्डी और भीम अवार्डी हैं। लेकिन विडंबना यह है कि इलाके में सरकारी खेल सुविधाओं का पूर्ण अभाव है। महम का उपमंडल स्तरीय खेल स्टेडियम अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। इस स्टेडियम में खेल सुविधाओं का टोटा है। तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने साल 2012 में यहां पर साईं सेंटर बनाने के लिए केंद्र सरकार से मांग की। उनकी योजना सिरे भी चढ़ गई। 7 अक्टूबर 2012 को खेल स्टेडियम के पास ही भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रशिक्षण केंद्र और खेल छात्रावास की नींव रखी गई।

13 साल से साईं सेंटर चालू होने की बाट जोह रहे हैं महम हलके के लोग

इन्होंने रखी थी नींव

केंद्र सरकार में तत्कालीन युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्यमंत्री अजय माकन, तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा, हरियाणा के तत्कालीन खेल मंत्री सुखबीर कटारिया और मुख्य संसदीय सचिव प्रहलाद सिंह गिलां खेड़ा और विधायक आनंद सिंह दांगी ने साईं सैंटर की नींव रखी। निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया। साल 2014 में प्रदेश में भाजपा की सरकार बन गई। 6 करोड़ की लागत से 100 बिस्तरों वाला खेल छात्रावास बनकर तैयार हो गया। कई साल तक छह सात साल तक यह भवन उद्घाटन का इंतजार करता रहा। आखिरकार रविवार 4 फरवरी 2018 को तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल, खेल मंत्री अनिल विज और उस समय के सहकारिता मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर ने इस खेल छात्रावास भवन का उद्घाटन किया। इस भवन के उद्घाटन को हुए करीब 8 साल हो गए हैं। इतने सालों बाद भी यह खेल छात्रावास शुरू नहीं हो पाया है। बिल्डिंग का निर्माण कार्य पूरा हुए भी 10-12 साल हो गए हैं। मगर न तो यहां पर भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रशिक्षक आए और न ही खिलाड़ी।

रख रखाव के अभाव में कंडम हो रहा भवन

करोड़ों की लागत से बनी यह राष्ट्रीय संपत्ति रख रखाव के अभाव में कंडम होने लगी है। साथ ही किसान हवेली में बनाई गई साईं प्रशिक्षण केंद्र की बिल्डिंग में भी खेल गतिविधियां नहीं शुरू हो पाई। साईं ट्रेनिंग सैंटर भी खिलाड़ियों और खेल प्रशिक्षकों की बाट जोह रहा है। यहां खेल गतिविधियां न शुरू हो पाने की वजह से साईं सेंटर और खेल छात्रावास के आस पास लोगों ने बिटौड़े बना लिए हैं। साफ सफाई का पूर्ण अभाव है। पूरे परिसर में गंदगी फैली हुई है।

कई जिलों को होगा लाभ

भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा महम में बनाया गया 100 बिस्तरों वाला खेल छात्रावास शुरू हो जाए, तो इससे रोहतक, हिसार, जींद और भिवानी समेत आस पास के कई जिलों के खिलाड़ी इसका लाभ उठा सकते हैं।

दूरगामी सोच से बनाया गया था

पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने दूरगामी सोच रखते हुए महम में भारतीय खेल प्राधिकरण का ट्रेनिंग सेंटर स्थापित करने का निर्णय लिया था। केंद्र सरकार से मिलकर इस योजना को मूर्त रूप दिया गया। लेकिन भाजपा ने उद्घाटन तो किया, लेकिन इसको शुरू नहीं किया गया। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने सोचा था कि हरियाणा के खिलाड़ी कॉमनवेल्थ, एशियाड और आलंपिक खेलों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। खिलाड़ियों के बेहतर भविष्य को देखते हुए ऐसी जगह पर यह ट्रेनिंग सेंटर बनवाया गया, जहां से अधिकतर जिलों से इस सेंटर की समान दूरी पड़ती है। प्रदेश के केंद्र में होने की वजह से पूरे प्रदेश के खिलाड़ियों को इसका लाभ मिल सके। इस केंद्र के बन जाने से महम का नाम खेल मानत्रित पर उभरना था। लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

अस्पताल भी अभी अधर में लटका

महम। खिलाड़ियों की ट्रेनिंग के लिए तैयार किया गया साई सेंटर का प्रशिक्षण केंद्र भवन।

कुछ साल पहले स्थानीय भाजपा नेताओं ने तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल से मिलकर यहां पर उपमंडल स्तरीय अस्पताल शुरू करने की मांग की थी। लेकिन इस बिल्डिंग में अस्पताल भी नहीं शुरू हो पाया। राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने दावा किया था कि अब यहां पर अस्पताल खोल ही देंगे। तत्कालीन उपायुक्त मनोज कुमार ने खेल एवं युवा मामलों के विभाग को पत्र लिखकर छात्रावास भवन स्वास्थ्य विभाग को सौपने का अनुरोध किया था। ताकि इसमें उपमंडल स्तरीय अस्पताल चलाया जा सके। पत्र में लिखा था कि साईं खेल छात्रावास की इमारत अनुपयोगी पड़ी है। इसको अस्पताल के लिए दिया जाए। लेकिन वह योजना भी सिरे नहीं चढ़ पाई।

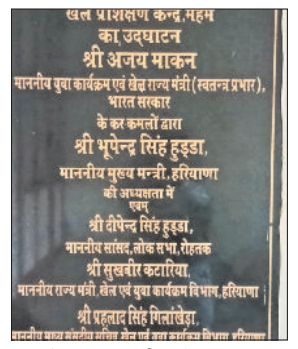

महम। साईं के खेल छात्रावास में लगाया गया उद्घाटन बोर्ड और भारतीय खेल प्राधिकरण के ट्रेनिंग सेंटर की दीवार में लगा शिलान्यास पत्थर। *फोटो: हरिभूमि*

3100 श्याम निशान यात्रा के उपलक्ष्य में हवन यज्ञ व भंडारा

रोहतक। श्याम निशान यात्रा झण्डी दिखाकर शुभारंभ करते मुख्यअतिथि महामण्डलेश्वर बाबा कपिल पुरी महाराज,एलपीएस बोसार्ड के डायरेक्टर राजेश जैन, रोहतक के पूर्व मेयर मनमोहन गोयल। *फोटो: हरिभूमि*

रोहतक। नए वर्ष के उपलक्ष्य में एलपीएस बोसार्ड व बाबरा श्रीश्याम दीवाना परिवार की ओर से आयोजित ऐतिहासिक 3100 भव्य श्याम निशान यात्रा के शुभ अवसर पर बाला जी मंदिर गोकर्ण धाम में हवन यज्ञ व भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एलपीएस बोसार्ड के डायरेक्टर राजेश जैन, रोहतक के पूर्व मेयर मनमोहन गोयल, वेश्य संस्था के प्रधान विकास गोयल, कोषाध्यक्ष पवन खरखड़िया, सुभाष तायल, पूर्व पार्षद बिजेंद्र जैन, यात्रा संयोजक राहुल जैन गांधरवाल व महामंडलेश्वर बाबा कपिल पुरी महाराज विशेष रूप से उपस्थित रहे। सर्वप्रथम हवन यज्ञ में आहुति दी गई, इसके पश्चात श्याम निशान यात्रा को धर्म ध्वजा दिखाकर शहर भ्रमण के लिए रवाना किया गया। यात्रा कूडामल मंदिर माता दरबार से शुरू होकर गौकर्ण धाम में संपन्न हुई। मौके पर विशाल गोयल, दीपक जिंदल, सुमित, विपिन जैन गांधरवाल, सन्नी निझावन, महिला मंडल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

रंगों में उभरा स्वच्छता का संदेश

स्वच्छ भारत-स्वच्छ रोहतक थीम पर 150 बच्चों ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा

रोहतक। पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लेते प्रतिभागी।

रोहतक। स्वच्छ भारत–स्वच्छ रोहतक अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से नगर निगम के सहयोग से श्रीराम रंगशाला में एक भव्य चित्रकारिता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें शहर के विभिन्न स्कूलों से करीब 150 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों में स्वच्छता, स्वच्छ वातावरण और स्वच्छ शहर के प्रति जागरूकता पैदा करना रहा। नगर निगम आयुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों को स्वच्छता से जुड़े विषयों पर रचनात्मक अभिव्यक्ति का अवसर दिया गया। प्रतिभागी विद्यार्थियों ने अपनी पेंटिंग्स में स्वच्छता, कचरा प्रबंधन, प्लास्टिक मुक्त शहर, हरित वातावरण और स्वच्छ जीवनशैली जैसे महत्वपूर्ण विषयों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। बच्चों की कलाकृतियों में न केवल कल्पनाशीलता बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव भी स्पष्ट दिखाई दिया। प्रतियोगिता को दो आयु वर्गों-7 से 9 वर्ष और 10 से 12 वर्ष-में विभाजित किया गया, ताकि सभी बच्चों को समान अवसर मिल सके। 7 से 9 वर्ष के आयु वर्ग में गन्या विज ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि दिवेन द्वितीय और हरीगन तृतीय स्थान पर रहे। वहीं 10 से 12 वर्ष की श्रेणी में गरिमा ने प्रथम, तनीशा ने द्वितीय और नव्या ने तृतीय स्थान हासिल किया। विजेताओं को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया और सभी प्रतिभागी बच्चों की सराहना की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संयुक्त आयुक्त नमिता कुमारी, डॉ. बेबी, डॉ. लव और अंशुल पठानिया उपस्थित रहे।

हेल्थ कैंप मरीजों की जांच करतीं चिकित्सक

आर्य स्कूल मदीना में लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, 300 से अधिक लोगों के स्वास्थ्य की जांच की

महम। आर्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल मदीना में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। इस शिविर में विद्यालय के विद्यार्थियों, अभिभावकों तथा स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। यह स्वास्थ्य कैंप संतोष कैंसर फाउंडेशन एवं वी केयर कैंसर हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। स्वास्थ्य शिविर के दौरान विभिन्न रोगों की जांच की गई। निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर के दौरान 300 से अधिक लोगों के स्वासथ्य की जांच की गई। शिविर में डॉ. अमन हड्डी रोग विशेषज्ञ, डॉ. हनी दलाल नाक-कान-गला विशेषज्ञ, डॉ. अनुज खुराना, डॉ. नीरज, डॉ. भावना खुराना नेत्र रोग विशेषज्ञ ने अपनी सेवाएं प्रदान की। चिकित्सकों ने उचित परामर्श के साथ आवश्यक दवाइयां भी मरीजों को निःशुल्क दी।

विद्यालय के प्रधानाचार्य अशोक दांगी ने सभी चिकित्सकों एवं सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय न केवल शिक्षा बल्कि स्वास्थ्य और सामाजिक सरोकारों के प्रति भी पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी चिकित्सकों को विद्यालय की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। अभिभावकों को आश्वस्त किया कि भविष्य में भी इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर एवं जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते रहेंगे। इस दौरान विद्यालय में अभिभावक शिक्षक मीटिंग भी आयोजित की गई। इस दौरान अभिभावकों ने अपने बच्चों की शैक्षणिक प्रगति रिपोर्ट भी ली। बच्चों को शीतकालीन अवकाश के लिए गृह कार्य भी दिया गया।

जीडी गोयनका इंटरनेशनल में बाहरी विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

जीडी गोयनका इंटरनेशनल स्कूल में शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए बाहरी विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में विभिन्न विद्यालयों से आए अनेक प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्रवृत्ति परीक्षा का उद्देश्य मेधावी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर प्रदान करना तथा उन्हें जीडी गोयनका इंटरनेशनल स्कूल से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करना रहा। परीक्षा में गणित, अंग्रेज़ी, विज्ञान एवं तार्किक क्षमता से संबंधित प्रश्न शामिल किए गए, जिससे विद्यार्थियों की बौद्धिक एवं शैक्षणिक दक्षता का मूल्यांकन किया जा सके। विद्यालय प्रशासन ने परीक्षा को सुचारु, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराया।

सुनहरा अवसर

विद्यालय के निदेशक विक्रांत मायना एवं साान्या मायना ने बताया कि यह पहल उन विद्यार्थियों के लिए एक सुनहरा अवसर है जो अपनी प्रतिभा के बल पर उत्कृष्ट शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं। सह निदेशक हिमांशु गुप्ता ने कहा कि छात्रवृत्ति के माध्यम से चयनित विद्यार्थियों को शुल्क में विशेष रियायतें एवं शैक्षणिक सहयोग प्रदान किया जाएगा। परीक्षा के परिणाम शीघ्र ही घोषित किए जाएंगे और चयनित विद्यार्थियों को प्रवेश प्रक्रिया के अगले चरण के लिए सूचित किया जाएगा। अभिभावकों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए इसे विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

मुहिम एमडीडी संस्था ने 7 माह में 83 बच्चों को बाल मजदूरी व भिक्षावृत्ति से कराया मुक्त

पढ़ने-खेलने की उम्र में बाल श्रम और भिक्षावृत्ति का शिकार बच्चे

- प्रशासन और मानव तस्करी रोधी इकाई हरसंभव सहायता दे रही

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

पढ़ने और खेलने की उम्र में आज भी कई बच्चे बाल मजदूरी करने और भीख मांगने को मजबूर हैं। ऐसे ही बच्चों के लिए जस्ट राइट्स की सहयोगी संस्था एमडीडी ऑफ इंडिया द्वारा न्याय तक पहुंच परियोजना 4 के तहत बाल विवाह, बाल श्रम और भिक्षावृत्ति के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है।इस अभियान के तहत बीते 7 महीनों में मानव तस्करी रोधी इकाई (एएचटीयू) रोहतक के सहयोग से 83 बच्चों को बाल मजदूरी और भिक्षावृत्ति से मुक्त कराया गया। सभी बच्चों को बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के माध्यम से उनके परिजनों को सौंपा गया। एक मामले में बाल श्रम करवाने वाले व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज करवाई गई है। इनमें बाल मजदूरी से 58 बच्चे (सभी लड़के), भिक्षावृत्ति से 25 बच्चे, जिनमें 18 लड़के 7 लड़कियों को मुक्त करवाया गया है। एमडीडी ऑफ इंडिया जिला इकाई के सहायक समन्वयक विकास ने बताया कि संस्था बाल अधिकारों की रक्षा के लिए कार्य कर रही है। उत्पीड़न के शिकार बच्चों को जिला प्रशासन और मानव तस्करी रोधी इकाई के सहयोग से हरसंभव सहायता दी जा रही है। बच्चों व माता-पिता की काउंसलिंग की जा रही है, ताकि वे बाल श्रम या भिक्षावृत्ति में न धकेलें।

भिक्षावृत्ति में लड़कियां अधिक

भिक्षावृत्ति करने वाले बच्चों में लड़कियों की संख्या अधिक पाई गई। इनमें अधिकांश बच्चे हरियाणा के बाहर के हैं। इनके पास न आधार कार्ड है, न कोई पहचान पत्र और न ही स्थायी पता। कई लड़कियां 4 से 17 वर्ष की उम्र में गोद में छोटे बच्चों को लेकर भीख मांगती मिलीं।

बाल मजदूरी के पीछे कारण

काउंसलिंग के दौरान सामने आया कि गरीबी और बेरोजगारी, पिता का नशे का आदी होना, गलत संगत से बचाने के लिए बच्चों को काम पर लगा देना बाल मजदूरी के प्रमुख कारण हैं। बच्चे मोटरसाइकिल रिपेयर शॉप, चाय की दुकान, फूड कार्नर और होटलों में काम करते पाए गए। अधिकतर बच्चों की उम्र 10 से 17 वर्ष के बीच थी।

केस 1: पिता शराबी, बच्चा ढाबे पर मजदूरी

13–14 वर्षीय बच्चा एक ढाबे पर काम करता पाया गया। पिता शराब का सेवन करता है और परिवार की जिम्मेदारी नहीं उठाता। मां घरों में साफ-सफाई कर परिवार चलाती है। आर्थिक तंगी के कारण बच्चे स्कूल नहीं जा पाए। अभियान के दौरान बच्चे को मुक्त कराकर बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया और परिवार की काउंसलिंग के बाद बच्चे को परिजनों के सुपुर्द किया गया।

केस 2: बच्चों से उठवाए जा रहे थे भारी बोरे

दो नाबालिग बच्चों से सब्जी मंडी में ट्रकों से भारी कट्टे उतरवाए जा रहे थे। सूचना मिलने पर एमडीडी ऑफ इंडिया की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति की पुष्टि की और एएचटीयू को सूचित किया। बच्चों को मुक्त कराकर सीडब्ल्यूसी के समक्ष पेश किया गया और बाद में आश्रम भेजा गया। पूछताछ में सामने आया कि बच्चे आर्थिक मजबूरी में घर छोड़कर आए थे और महीनों से वहीं काम कर रहे थे।